कार्यालय प्राचार्य, चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय
श्रीगंगानगर(राज.) – 335001
Ph. No.:- 0154-2470293 Email :-principalbrgcollege@gmail.com
स्था. 1958

प्राचार्य प्रतिवेदन(2021–22)

मैं डॉ. आशा शर्मा आप सभी का हृदय से अभिनन्दन करते हुए शैक्षणिक सत्र 2021–22 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रही हूं। कोविड–19 के प्रकोप से उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों के बाद हम आज अपना वार्षिक उत्सव मनाने के लिए एकत्र हुए हैं।

सर्वप्रथम में अपने **सभी आचार्यों** का साधुवाद करती हूं। आचार्य शब्द इतना गहन एवं महत्वपूर्ण है जिसकी सराहना करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। सभी कार्य टीम के द्वारा पूर्ण किये जाते है इस कारण महाविद्यालय परिवार के **सभी सदस्य** बधाई के पात्र हैं।

30 मार्च, 1958 को प्रारम्भ हुए चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय में सत्र 2021–22 में **3193** छात्राएं हैं। **पहली बार** बी.ए. प्रथम वर्ष की सभी सीटें भरी गई, जिसका श्रेय प्रवेश समिति एवं प्रभारी डॉ. किरण दीप को जाता है। इस सत्र में परीक्षा **परिणाम 95 %** रहा। छात्रावास में 57 छात्राएं आवास कर रही हैं। छात्रावास समिति की प्रभारी डॉ रजनी शर्मा एवं वाईफाई की नोडल डॉ. कमलजीत मान हैं। छात्राओं के लिए महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 03 तथा रेंजरिंग विंग की 03 इकाइयां पंजीकृत हैं। एन.सी.सी के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जितनी भी छात्रवृति योजनाएं हैं उनसे सभी योग्यताधारी छात्राओं को महाविद्यालय की छात्रवृति समितियों एंव प्रभारी द्वारा लाभान्वित करवाया जाता है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि गत सत्र में स्कूटी योजनाओं के तहत हमारे महाविद्यालय की **45 छात्राओं को स्कूटी वितरित** की गई। अनेक छात्रवृति योजनाओं में हमारा महाविद्यालय श्रीगंगानगर जिले का नोडल महाविद्यालय है। जिसका कार्य नोडल अधिकारी के रूप मे श्री मनोज बजाज सम्भालते हैं।

महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर लगभग सभी विषय संचालित है जो विषय नियमित रूप से संचालित नहीं हैं उन्हें स्ववित्तपोषी योजना के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

छात्राओं के अध्यापन हेतु महाविद्यालय में आचार्यों के जो पद रिक्त हैं, उन्हें नियमानुसार विद्या सम्बल योजना एवं महाविद्यालय विकास समिति के द्वारा भरने का प्रयत्न किया जाता है। महाविद्यालय विकास समिति द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्य इस सत्र में किए गए जैसे महाविद्यालय का मुख्य द्वार नया लगवाया गया और साथ ही मुख्य द्वार पर शैड का निर्माण करवाया गया। महाविद्यालय के मुख्य द्वार और रविन्द्र पथ स्थित द्वार पर एलईडी लाइट सहित महाविद्यालय के नाम के फलैक्स बोर्ड लगाये गये, जो रात को भी महाविद्यालय के नाम की छटा बिखेरते हैं, मुख्य द्वारा पर रंग रोगन करवाने के साथ महाविद्यालय का नाम पुनः लिखवाया गया, महाविद्यालय में बिजली व पानी की व्यवस्था को ठीक करवाया, गर्ल्स कॉमल रूम में लाईट फिटिंग करवाई गई। रूसा के अंतर्गत खरीदे गए म्यूजिक सिस्टम को चलाने के लिए अलमारी व अन्य सामान बनवाया गया। प्रशासनिक भवन में बाथरूम में नये दरवाजे लगवाये एवं पुराने दरवाजों की मरम्मत करवाई गई। छात्रावास में दरवाजे–खिड़कियों की मरम्मत करवाई गई, छत मरम्मत करवाई गई, पानी एवं बिजली संबंधी कार्य करवाए गए तथा 4 नए कैमरे लगवाये गए। महाविद्यालय परिसर में खराब पड़े कैमरों एवं कैमरों की तारों की मरम्मत करवाई गई।

हमारे महाविद्यालय के आचार्य भी महाविद्यालय के संसाधनों में वृद्धि करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें हैं जिसके लिए प्रयास एवं सहयोग डॉ. आशा शर्मा, डॉ. रजनी शर्मा, श्री भीम सिंह सिसोदिया, डॉ. डी.पी. सिंह, डॉ. आशा अरोड़ा तथा डॉ. रेखा भारद्वाज ने किया। यही नहीं महाविद्यालय को हरा भरा रखने के लिए आर्थिक रूप से सहयोग डॉ. श्यामलाल, श्रीमती शालिनी आल्हा, डॉ. पूनम बजाज, डॉ. आशा राम भार्गव, श्री मनोज बजाज, डॉ. मधु वर्मा, श्री गुरप्रीत सिंह एवं श्री जसवीर सिंह ने दिया। महाविद्यालय के सम्पूर्ण कचरे को उठवाने में डॉ. पूनम सेतिया एवं सम्पर्क पोर्टल में डॉ. सुनील कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। श्री राजेश ने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से आई पी आर विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में करवाया।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारे आचार्य महाविद्यालय विकास के साथ–साथ छात्राओं के हित का भी अत्यधिक ध्यान रखते है इसी कारण महाविद्यालय के पुस्तकालय में छात्राओं के लिए **पहली बार ग्यारह लाख छ हजार पांच सौ पैंतीस (रू.1106535/–) रू. की किताबें एवं सतानवे हजार पांच सौ रूपये (रू.97,500/–) रू. के रैक** पी.डी. खाते के माध्यम से क्रय की गई। पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न करने के लिए हम पूर्ण प्रयास कर रहें है।

छात्राओं के अध्ययन कार्य के अतिरिक्त महाविद्यालय में सौ (100) से अधिक समितियां है, जो केन्द्र एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार कार्य करती है। जिनसे छात्राओं का सम्पूर्ण विकास होता है। प्रजातंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन है। इस थीम को E.L.C. क्लब ने साकार करते हुए E.L.C. एम्बेसडर सुश्री ममता वर्मा व सुश्री पूनम ने 500 छात्राओं का रजिस्ट्रेशन करवाया व वोटर हैल्प लाईन एप डाउनलॉड करवाया। उन्नत भारत अभियान के तहत महाविद्यालय में 05 गांव गोद लिये गये है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत गूगलमीट के माध्यम से असम के आचार्यो एवं छात्राओं को जोड़ा गया। स्वास्थय समिति के द्वारा तीन वैक्सीनेशन कैम्प लगवाये। IQAC के द्वारा पहली बार अभिभावको से प्रतिवर्ष लिखित फीडबैक लेने का निर्णय लेते हुए फीडबैक फार्म भरवाये गये। इन समितियों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण दिवस एवं सप्ताह मनाये जाते है। महाद्यिालय इतिहास में पहली बार प्लेसमेंट सेल में IFBI के माध्यम से ICICI बैंक में महाविद्यालय की आठ छात्राओं उमा भारती, चरणजीत, ज्योति, पलक, मुस्कान, प्रियंका, निकिता तथा खुशबू का कैम्पस प्लेसमेंट हुआ। सभी समितियां अपने सम्पूर्ण कार्यों की रिपोर्ट IQAC समिति में डॉ. डी.पी. सिंह, (प्रभारी), डॉ. पूनम सेतिया, डॉ. किरण दीप एवं डॉ. सुनील कुमार को देकर महाविद्यालय का नाम रोशन करती है।

छात्राओं के शारीरिक विकास के लिए शारीरिक शिक्षा अनुदेशक डॉ. रेखा भारद्वाज के कुशल नेतृत्व में खिलाडियों ने पदक प्राप्त किए। महाराजा गंगासिह विश्वविद्यालय बीकानेर एवं खेल बोर्ड के आदेशानुसार आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में महिला वर्ग में टेबल टेनिस, हैंडबॉल, वेटलिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग में महाविद्यालय की छात्राएं विजेता रहीं। महाविद्यालय ने अंतर महाविद्यालय कबड्डी, हैंडबॉल, क्रिकेट प्रतियोगिता में मेजबानी की। सत्र 2021–22 में हमारे महाविद्यालय की 125 छात्राओं ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर की 15 अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेलों में भाग लिया तथा **45 छात्राओं ने पदक प्राप्त किए। 16 छात्राओं ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय का अतंर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व** किया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। महाविद्यालय संकाय सदस्यों के लिए भी खेलों का आयोजन किया गया। स्थानीय महाविद्यालय डॉ. भीम राव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय एवं चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय के मध्य मैत्री क्रिकेट मैच में हमारा महाविद्यालय **विजेता रहा।**

अनुसंधान किसी भी संस्थान के विकास का अभिन्न अंग है। महाविद्यालय की सह आचार्य डॉ. मीनू तंवर और सहायक आचार्य डॉ. आशा अरोड़ा ने पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की। महाविद्यालय के सह/सहायक आचार्य डॉ. रजनी

र्मा, डॉ. बबीता काजल, डॉ. पूनम बजाज, डॉ. आशा राम भार्गव, डॉ. विभा तिवारी, डॉ. मधु वर्मा शोध निदेशक के रूप में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में पंजीकृत हैं। आयुक्तालय के प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु समर्पित चैनल ज्ञानसुधा, आकादमिक चैनल ज्ञानदूत के लिए भी महाविद्यालय के आचार्य **रिसोर्स पर्सन** के रूप में पंजीकृत हैं।

महाविद्यालय के प्रतिभा सम्पन्न संकाय सदस्य हमारी सुदृढ़ नींव है। डॉ. लता व्यास को तीन बार राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर ने विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया, **डॉ. आशा शर्मा, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में BOS की संयोजक तथा डॉ. रेखा बेरवाल एवं डॉ. रेखा भारद्वाज सदस्य है।** डॉ. बबीता काजल ने हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष के द्वितीय प्रश्न पत्र की पाठ्य पुस्तक का संपादन किया, डॉ. पूनम बजाज ने "आधी आबादी के सशक्तिकरण का सच" विषय पर महिलाओं के विभिन्न मुद्दों को लेते हुए पुस्तक का संपादन किया है तथा इन्होनें विभिन्न शोध संकल्पनाओं मे एक्सपर्ट का कार्य किया। डॉ. विभा तिवारी को इंडियन सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एडं लिटरेचर के द्वारा आयोजित ई–सेमिनार में मास्टर ऑफ सेरेमनी से सम्मानित किया। संकाय सदस्य डॉ. लता व्यास, डॉ. रेखा बेरवाल, डॉ. मीनू तंवर, डॉ. पूनम बजाज, डॉ. आशा राम भार्गव व डॉ. विभा तिवारी ने राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में पत्र वाचन किया और अपने शोध पत्र प्रकाशित करवाये।

महाविद्यालय **नवाचारों** के लिए भी विख्यात है। सत्र 2021–22 में महाविद्यालय का स्थापना दिवस मनाये जाने का एवं महाविद्यालय का कुलगीत खड़े होकर गाने का निर्णय लिया गया। महाविद्यालय का कुलगीत एवं नशा मुक्ति गीत तैयार किया गया, जिसका श्रेय श्री संतोष मीना, श्री योगेश शर्मा एवं श्रीमती पुष्पा खन्ना को जाता है।

अंत में मैं महाविद्यालय परिवार के सभी मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारी सदस्यों का जो महाविद्यालय के शक्ति स्तम्भ है। जिनके बिना उपरोक्त सभी कार्य संपन किया जाना संभव नहीं था, उन्हें तहे दिल से धन्यवाद देती हूं।

जय हिन्द!

20-4-22